भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 4875

उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 23 मार्च, 2026

02 चैत्र, 1948 (शक)

तमिलनाडु की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन

4875. **श्री सी. एन. अन्नादुरई:**
श्री नवसकनी के.:
श्री जी. सेल्वम:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विगत तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु में सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन की प्रमुख पहलों का समर्थन किया है;

(ख) उक्त राज्य में स्मारकों, विरासत संरचनाओं, पारंपरिक कला शैलियों और सांस्कृतिक संस्थानों के संरक्षण के लिए शुरू की गई प्रमुख परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और परियोजना-वार आवंटित बजट, जारी की गई और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इन पहलों ने तमिलनाडु की शास्त्रीय कलाओं, लोक परंपराओं और मंदिर से संबंधित सांस्कृतिक प्रथाओं सहित मूर्त और अमूर्त विरासत की रक्षा करने में योगदान दिया है;

(घ) क्या सरकार ने सार्वजनिक पहुंच में वृद्धि, सामुदायिक भागीदारी, कौशल पारेषण और सांस्कृतिक पर्यटन जैसे परिणामों का आकलन किया है; और

(ङ) क्या सरकार का तमिलनाडु की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संधारणीय संरक्षण, प्रलेखन और संवर्धन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य एजेंसियों, स्थानीय निकायों, शैक्षणिक संस्थानों और सामुदायिक संगठनों के साथ सहयोग को और सुदृढ़ करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): तमिलनाडु राज्य में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत 412 केंद्रीय संरक्षित स्मारक/स्थल है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इन स्मारकों/स्थलों के संरक्षण और अनुरक्षण का कार्य राष्ट्रीय संरक्षण नीति के अधीन संरक्षण की आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार करता है और यह एक सतत् प्रक्रिया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की तकनीकी टीम द्वारा इन स्मारकों का नियमित रूप से निरीक्षण किया जाता है और संरक्षण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाते हैं। विगत 3 वर्षों के दौरान, तमिलनाडु राज्य में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किए गए प्रमुख संरक्षण कार्यों का ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, संवर्धन से संबंधित विभिन्न पहलों के एक भाग के रूप में, विशेष अवसरों के दौरान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और धरोहर की सैर एवं विशेष सफाई अभियानों का आयोजन करता है।

विगत 3 वर्षों के दौरान, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा तमिलनाडु राज्य में संरक्षण के लिए आवंटित और उपयोग किए गए बजट का ब्यौरा निम्नानुसार हैः -

(राशि करोड़ में)

क्र. सं.	**वर्ष**	**आवंटन**	**व्यय**
1.	2022-23	19.95	19.95
2.	2023-24	22.50	22.50
3.	2024-25	18.95	18.94

भारत सरकार ने अपने सदस्य राज्यों की लोक-कला और संस्कृति के विभिन्न रूपों को संरक्षित और संवर्धित करने के लिए तंजावुर (तमिलनाडु) में दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना की है। दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र नियमित रूप से अपने सदस्य राज्यों में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन करता है जिसके लिए उन्हें वार्षिक सहायता अनुदान प्रदान की जाती है। विगत तीन वर्षों के दौरान, दक्षिण क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र को जारी की गई सहायता अनुदान का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

(राशि करोड़ में)

वर्ष	**जारी की गई राशि**
2022-23	9.95
2023-24	21.43
2024-25	20.49

विगत तीन वर्षों के दौरान, दक्षिण क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा आयोजित प्रमुख सांस्कृतिक गतिविधियों/कार्यक्रमों में आषाढ़ नवरात्रि विला, मार्गली विला, राजभवन (चेन्नई) में सांस्कृतिक महोत्सव, पोंगल समारोह, किला और कहानियाँ कार्यक्रम, वार्षिक मार्गली संगीत उत्सव, अबिरामी अंतथी (लुप्त होती कला) ग्रीष्मकालीन महोत्सव, नम्मा ऊर थिरुविला (चेन्नई संगमम्), भारतीय नृत्य महोत्सव और कम्ब रामायण शामिल हैं।

दक्षिण क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र, गुरु शिष्य परंपरा नामक एक योजना भी संचालित करता है जिसमें पारंपरिक गुरु युवा शिष्यों को सांस्कृतिक ज्ञान की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित करते हैं और यह कलाकारों, शोधकर्ताओं और सामुदायिक सेवकों को तमिलनाडु की लोक परंपराओं की रक्षा करने में सहायता करता है।

जब कभी तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रम/उत्सव आयोजित किए जाते हैं तो दक्षिण क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र उनके अनुरोध पर सांस्कृतिक मंडलियां प्रदान करके इन कार्यक्रमों/त्योहारों में भाग लेता है।

(ङ) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, तमिलनाडु की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और संवर्धन के लिए राज्य एजेंसियों, स्थानीय निकायों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ सक्रिय सहयोग करता है।

अनुबंध-I

लोक सभा में दिनांक 23.03.2026 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 4875 के उत्तर के भाग (क) से (घ) में संदर्भित अनुबंध

विगत 3 वर्षों के दौरान तमिलनाडु राज्य में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किए गए प्रमुख संरक्षण कार्यों का ब्यौरा

2022-23

क्र. सं.	**स्मारक का नाम**	**किए गए प्रमुख संरक्षण कार्यों का ब्यौरा**
1.	मणिमंगलम में अर्द्धवृत्ताकार गोपुरम वाला पुराना मंदिर	मंदिर के विमानों और पत्थर के फर्श को मौसम कवच प्रदान करना पानी की टंकी से गाद निकालना
2.	सेंदमंगलम में अपथसहायेश्वर मंदिर	मंदिर के उत्तर की ओर बाहरी प्राकार दीवार का जीर्णोद्धार।
3.	ब्रह्मपुरीश्वर मंदिर, ब्रह्मदेशम	मंदिर के उत्तर की ओर बाहरी प्राकार दीवार का जीर्णोद्धार।
4.	वेंकटरमण मंदिर, जिंजी	दक्षिणी तरफ के क्लॉस्टर मंडप में पत्थर का फर्श प्रदान करना।
5.	कैलाशनाथ मंदिर, कांचीपुरम	मंदिर की प्राकार दीवार के चारों ओर कर्ब पत्थर के साथ पत्थर का एप्रन प्रदान करना और मंदिर के नालों की मरम्मत करना।
6.	चंद्रमौलीश्वर मंदिर, नट्टेरी	नई एमएस ग्रिल की बाड़, लकड़ी के दरवाजों की पेंटिंग, पत्थर की बेंच आदि प्रदान करना।
7.	एकाश्म शैल को काटकर बनाया गया मंदिर, महेंद्रवाड़ी	एकाश्म शैलकृत कट मंदिर के चारों ओर बाड़ लगाना।
8.	इरावतनेश्वर मंदिर, कांचीपुरम	प्राचीन कुएँ की मरम्मत, मलबे को हटाना, क्षतिग्रस्त एमएस ग्रिल, प्लास्टरिंग, क्षतिग्रस्त फ्लैट टाइल्स आदि। छोटी दरारों को ठीक करना, स्टुको के खराब पैनल को ठीक करना और मजबूत करना, दरवाजे की, एमएस ग्रिल्स की पेंटिंग।
9.	बड़ा शिव मंदिर अपथसहायेश्वर मंदिर तेन्नेरी	पत्थर का फर्श प्रदान करना, बाहरी प्राकार दीवार पर प्लास्टरिंग, विनयगा उप मंदिर के लिए एमएस ग्रिल गेट प्रदान करना।
10.	वलीश्वर मंदिर, वलिकंतपुरम	छत के बीच के हिस्से पर रिसने वाली छत को ठीक करना।
11.	वीरभद्र मंदिर, चिन्नाकवंदनूर	वीरभद्र मंदिर के तालाब के किनारे की मरम्मत
12.	जलकंटेश्वर मंदिर, वेल्लोर	जल निकासी/सी की सफाई, पुराने एमएस ग्रिलों को पेंट करना, कांटेदार तार की बाड़ लगाना और मंदिर के चारों ओर आवश्यक एमएस ग्रिल गेटों के साथ एमएस ग्रिल बाड़ लगाना।
13.	रंगनाथ मंदिर, एरुकम्पट्टू	ग्रेनाइट पत्थर का फर्श, पत्थर के स्लैब और उभरी हुई दीवार आदि का पुनर्निर्माण प्रदान करना।
14.	चोलेश्वर मंदिर, मेलपडी	ग्रेनाइट पत्थर का फर्श प्रदान करना, मंडप की छत को पानी से कसना और बौनी दीवार के साथ एमएस ग्रिल बाड़ लगाना आदि

15.	जैन मंदिर,थिरुमलाई	मार्ग के सामने ग्रेनाइट पत्थर का फर्श, दीवारों पर प्लास्टरिंग, चूने का फर्श, ईंट ढलान चिनाई का पुनर्निर्माण, चिनाई दीवार का निर्माण, एमएस ग्रिल बाड़, एमएस गेट और रोलर गेट प्रदान करना और पुराने एमएस ग्रिल बाड़ आदि का रंग-रोगन करना।
16.	मुंकुदिमिश्वरार मंदिर, पोनविलैंथकलथुर	मौजूदा बाड़ का उन्नयन और दक्षिणी दिशा की ओर पत्थर का मार्ग बिछाना
17.	अलेवा शोर मंदिर, मामल्लपुरम	उत्तर-पश्चिम कोने की ओर मौजूदा परिसर की दीवार का निर्माण/मरम्मत, पत्थर के पथ का पुनर्निर्धारण, चित्रकारी कार्य आदि।
18.	पोन्नमारवती में राजेंद्र चोलीश्वर मंदिर	उचित जल निकासी प्रणाली के लिए स्मारक के मूल आधार स्तर को उजागर करने के लिए उत्खनन्, नए पत्थर का फर्श प्रदान करना।
19.	पार्थिवपुरम में पार्थसारथी और कृष्ण मंदिर	लहरदार पत्थर के फर्श को फिर से स्थापित करना, उप-मंदिरों में एप्रन प्रदान करना, दरवाजों की मरम्मत और लकड़ी के काम आदि।
20.	बृहदीश्वर मंदिर, गंगईकोंडचोलपुरम	रास्ते में ईंट का फर्श बिछाना
21.	आदिचनल्लूर में प्रागैतिहासिक अवशेष	बी-साइट क्षेत्र में छत प्रदान करना जिसमें खाई के शीर्ष पर कड़ा कांच प्रदान करना शामिल है ताकि खाई को अंदर से देखा जा सके।
22.	पत्थर और ईंट का किला, तिरुमयम,	उत्तर-पूर्वी कोने में किले की दीवार को फिर से लगाना और किले की दीवार के पश्चिमी हिस्से में इंगित करने का काम
23.	सौंदरराजपेरुमल मंदिर, इरुम्बनाडु	मंदिर की छत पर पानी की रिसाव को ठीक करना और संरचना के चारों ओर पत्थर का एप्रन प्रदान करना।
24.	सिक्कानाथस्वामी मंदिर, कुडुमियानमलाई मंदिर	मंदिर की टंकी की दक्षिणी दीवार का पुनर्निर्माण और महामंडप की छत को पानी से कसना।
25.	पनंगुडी में शिव मंदिर	संरक्षित क्षेत्र के चारों ओर छोटी दीवार पर एमएस ग्रिल का बाड़ लगाना।
26.	रासिपुरम में देवी, विष्णु और शिव मंदिर की पत्थर की मूर्तियाँ	कोर फिलिंग सहित पुराने सुराग और डिजाइन के अनुसार ग्रेनाइट पत्थर में मुख्य मंदिर की दीवार का पुनर्निर्माण।

2023-24

क्र.सं.	**स्मारक का नाम**	**किए गए प्रमुख संरक्षण कार्यों का ब्यौरा**
1.	नरसिंहस्वामी और रंगनाथस्वामी मंदिर, नमक्कल	रिसाव वाली छत को ठीक करना, नाले की मरम्मत और ट्री-गार्ड प्रदान करना।
2.	मामल्लपुरम में कोनेरीपल्लम तालाब के उत्तर-पूर्व कोने पर दो चट्टान काटकर बनाए गए गुफा मंदिर	मौजूदा ग्रिल बाड़ को बढ़ाना
3.	श्री अपथसहायेश्वर मंदिर, सेंदमंगलम	दक्षिण की ओर क्लॉस्टर मंडप में पत्थर का फर्श का पुनर्निर्धारण करना।

4.	चिन्नाकवंदनूर में पहाड़ी पर किला और मंदिर	एप्रन मंडप के प्रवेश द्वार को जोड़ने वाले मार्ग प्रदान करना, किले की दीवार के क्षतिग्रस्त हुए टूटे हुए हिस्से को फिरस से ठीक करना।
5.	थिरुमायम में चट्टान से बना शिव मंदिर सत्यकिरिश्वर तीर्थ	उप-मंदिरों के मंडप क्षेत्रों की छत की छत को पानी के रिसाव को ठीक करना
6.	थिरुमायम में चट्टान से बना विष्णु मंदिर(सत्यमूर्ति मंदिर	उप-मंदिरों के मंडप क्षेत्रों की छत की छत से पानी के रिसाव को ठीक करना।
7.	शिव मंदिर, वरप्पुर	मुख्य मंदिर महामंडप की छत तक पानी के रिसाव,संरचना के चारों ओर पत्थर का एप्रन प्रदान करते हुए, अम्मान मंदिर की छत से पानी के रिसाव को ठीक करना
8.	श्रीवलीश्वर मंदिर, तिरुवलीश्वरम	क्षतिग्रस्त भाग और स्लैब को स्लैब को हटाना और पानी के रिसाव को ठीक करना स्लैब को फिर से ठीक करना औ र ठत से पानी के रिसाव को ठीक करना
9.	कुन्नाकुडी में पहाड़ी पर बोल्डर स्टोन बेड और ब्राह्मी शिलालेख और पहाड़ी के नीचे शिलालेख के साथ शैलकृत मंदिर।	मुख्य मंडप की छत की छत को पानी से कसना, मंदिर के विमानम में स्टुको आकृतियों के क्षतिग्रस्त पैनल को ठीक और मजबूत करना
10.	पल्लवनेश्वरम मेलैयूर कावेरीपट्टिनम में बौद्ध विहार और मंदिर के उत्खनन् से मिले अवशेष	आरआर पत्थर का निर्माण।
11.	पोन्नमारवती में राजेंद्रचोलीश्वर मंदिर	सावधानीपूर्वक पलस्तर हटाना और रंग सोगण सहित छत और थिरुमथिल दीवार पर फिर से प्लास्तर करना। क्षतिग्रस्त लकड़ी, जॉइस्ट, बीम को नई मार्गदर्षन की लकड़ी से बदलने और मदरसे की छत को मूल के अनुसार रिले करने और छत को से पानी के रिसाव को ठीक करना सहित प्रवेश मंडप का जीर्णोद्धार।
12.	शिवगंगा छोटा किला, महान मंदिर, तंजावुर को घेरे हुए	क्षतिग्रस्त ईंट के फर्श को सावधानीपूर्वक तोड़ना और मुख्य मंदिर और गलियारे के बीच पश्चिमी तरफ आंगन के भीतर फर्श के उक्त हिस्से में नई ईंट का फर्श बिछाना।

2024-25

क्र.सं.	**स्मारक का नाम**	**किए गए प्रमुख संरक्षण कार्यों का ब्यौरा**
1.	नरसिंहस्वामी और रंगनाथस्वामी मंदिर, नमक्कल	मौजूदा पानी का रिसाव वाली छत की कंक्रीट को हटाना और रिसाव को रोकने के लिए नई चूने की कंक्रीट प्रदान करना।
2.	एरुम्बेश्वर मंदिर, तिरुवेरुम्बूर	ईंटों का काम, पलस्तर का काम, पलस्तर का काम पूरा प्रवेश द्वार की सीढ़ियों और मुख्य मंदिर के शीर्ष पर प्रहार से निपटने वाली दीवार को हटाने और पलस्तर करना।

3.	पूरा शिव मंदिर और सामने के मंडपम में नक्काशीदार पत्थर, अम्मानकुरिची	क्षतिग्रस्त मौसम के मार्ग को सावधानीपूर्वक हटाना और हटाना, ईंट जेली, कंक्रीट प्रयोग करके पानी की रिसान का करना, ऊपर की प्लास्टरिंग, स्मारक से दूर मलबे के निपटान सहित स्मारक के चारों ओर जमा हुए मलबे/मिट्टी का निपटान, मुख्य मंदिर के विमान में पलस्तर की क्षतिग्रस्त हो चुकी मूर्तियों के टूटे हुए पैनल को आवश्यक बाइंडिंग सामग्री के साथ सुधारना और मजबूत करना और सतह को खत्म करना, गुड़ और गैलनट आदि के साथ रंगीन सामग्री का उपयोग करके विमान की सतह को चूने से पिन करना/टोनिंग करना।
4.	चट्टान से काटा गया विष्णुमंदिर – (सत्यमूर्ति गुफा), तिरुमयम	क्षतिग्रस्त अपक्षय मार्ग को सावधानीपूर्वक हटाना और हटाना, ईंट जेली कंक्रीट प्रदान करके पानी की कसावट प्रदान करना और चूने के मोर्टार से ऊपर पलस्तर करना 1:1:1 (, दो कोट के साथ लाइम पिनिंग/टोनिंग विमान सतह, कुंजी कप प्रदान करने के तरीके से मंदिर प्रकार के दरवाजे को फिर से ठीक करना, आवश्यक बाध्यकारी सामग्री के साथ विमान में स्टुको आकृतियों के टूटे/घिसे हुए पैनल को सुधारना और मजबूत करना और सतह को खत्म करना)।
5.	चट्टान से बना शिव मंदिर(सत्यगिरीश्वर तीर्थ), तिरुमयम	क्षतिग्रस्त अपक्षय मार्ग को सावधानीपूर्वक तोड़ना और हटाना, ईंट जेली कंक्रीट प्रदान करके पानी की रिसाव दूर करना, स्मारक के चारों ओर संचित मलबे/मिट्टी का निपटान, मुख्य मंदिर के विमान में आवश्यक बांधने वाली सामग्री के साथ स्टुको आकृतियों के टूटे/खराब पैनल को ठीक करना और मजबूत बनाना, पुरानी सतह को मोटे तौर पर साफ करने के बाद दो कोटों के साथ चूने की पिनिंग/टोनिंग विमान सतह।
6.	सुग्रीशेश्वर मंदिर, सिरकारपेरियापलायम	i. पत्थर के जोड़ों को ठीक करना, ii. पुराने/खराब चूने के पलस्तर की फिर से प्लस्तर करना iii. मुख्य गुफा में पानी के रिसाव को ठीक करना

*****